हिन्दुस्तान बुधवार, 1 जुलाई 2009, चंडीगढ़

युवाओं के रोजगार तलाशने में मुश्किलें दूर करने की कवायद

दूर करना होगा मिसमैच

चंडीगढ़। बैंकिंग, बीमा, रिटेल, बीपीओ और केपीओ जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों में रोजगार पाने से जूझ रहे युवाओं की समस्या को दूर करने तथा शिक्षण संस्थान व इंडस्ट्री के बीच पुल बनाने के मकसद से मंगलवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका आयोजन एलीमेंट्स एकेडमिया की ओर से किया गया था। सेमिनार में उद्योग जगत और ग्रेटर चंडीगढ़ की शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधी पहुंचे। सेमिनार में रोजगार को लेकर समस्याओं और प्रतिभा, दक्ष, कुशल श्रमशक्ति पर खुलकर चर्चा हुई।

इसमें उभरकर सामने आया कि देश में रोजगार भी बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं और रोजगार के लिए इच्छुक छात्रों की संख्या भी कम नहीं, लेकिन समस्या है मिसमैच की। अब इसे ही दूर करना प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। एलीमेंट्स एकेडमिया के सीईओ निशांत सक्सेना, पीयू में यूआईएएमएस के निदेशक प्रो. एके सहजपाल, टाटा टेलिसर्विसेज के सीओओ टीपीएस वालिया, ब्रिश इंफोटेक के हर्ष वीर सिंह, पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश भी उपस्थित थे।

संभावनाएं अपार हैं, चाहिए स्किल्ड मैनपावर

निशांत सक्सेना ने बताया कि देश में सर्विस सेक्टर के लिए प्रति वर्ष 60 लाख नौकरियां की आवश्यकता है जबकि प्रति वर्ष ग्रेजुऐशन करने वालों की संख्या 25 लाख तक ही सीमित है, इनमें से भी 13 प्रतिशत ग्रेजुऐट ही संगठनात्मक क्षेत्र में रोगार हासिल करते हैं। सर्विस सेक्टर में नौकरियों की आपार संभावनाएं हैं लेकिन कुशल मानवीय संसाधनों की कमी सबसे बड़ी चुनौती है। टाटा टेलिसर्विसेज के सीओओ टीपीएस वालिया ने भी स्किल्ड मैनपावर कमी की बात उठाई। गावों में रोजगार बहुत हैं लेकिन योग्य छात्र ही नहीं मिलते। ग्रामीण छात्रों को हॉर्ड स्किल और शहरी छात्रों को सॉफ्ट स्किल का प्रशिक्षण दिया जाए।

मामला है नॉलेज, स्किल और एटीट्यूड का

प्रो. एके सहजपाल ने कहा कि छात्र को क्लास रूम से एक सफल कामगार बनने के लिए तीन बातों की आवश्यकता होती है। नॉलेज, स्किल और एटीट्युड के मानक के आधार पर ही एक सफल और विफल की पहचान बनती है। नॉलेज आत्मविश्वास बढ़ाता है, स्किल प्रतिस्पर्धा की भावना तथा एटीट्युड कमिटमेंट को दर्शाता है।

शिक्षकों के भी प्रशिक्षण की जरूरत

इस सेमिनार में केवल छात्रों की समस्याओं ही नहीं बल्कि शिक्षकों को भी समय के साथ बदलने की बात उठाई गई। पेक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर प्रो. केके गर्ग ने कहा कि समस्याएं कॉलेज लेवल पर काफी बढ़ जाती हैं। हम शिक्षकों को भी विभिन्न माध्यमों के जरिए अपने स्किल को अपग्रेड करना होगा।

स्कूल- कॉलेजों को मिलकर करना होगा काम

जीसीजी-11 की प्रिंसिपल डॉ. प्रोमिला कौशल ने सुझाव रखा कि रोजगार को लेकर छात्रों की कमियों को पाटने के लिए स्कूल और कॉलेज को संयुक्त रूप से योजना बनानी होगी। एक-दूसरे पर प्रतिभा नष्ट करने का आरोप लगाया कर्त उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्र की फैमिली बैग्राउंड उसके विकास में काफी मायने रखती है।

raviptiwari@gmail.com

"देश भर में वर्ष 2010 तक हमारी योजना 10 हजार से अधिक छात्रों को बेहतर रोजगार के अवसर दिलाना है। चंडीगढ़ में आज से हमारी शुरुआत हुई है। यहां संभावनाएं काफी हैं। उम्मीद है इस वर्ष के अंत तक 3 हजार छात्रों को हम ट्रेंड कर रोजगारपरक बना देंगे।"

निशांत सक्सेना, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एलिमेंट्स एकेडमिया